(b) to (d) Keeping in view the administrative and operational requirements, likely dislocation to a large number of staff and severe financial constraints, there is no proposal under consideration of the Government at present to either create a new zone with headquarter at Bhubaneswar or shift the headquarters of South Eastern Railway from Calcutta to Bhubaneswar.

Kishan Co-operative Jewar Jahagirpur Sugar Mill, Bulandshar, U.P

2711. CHOWDHRY HARI SINGH: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Kishan Co-operative Jewar Jahagirpur Sugar Mill in District Bulandshar, Uttar Pradesh is under construction;

(b) the amount utilised so far from the fund allotted for the said purpose; and

(c) the progress made in the construction of the above sugar mill?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL): (a) to (c) A Letter of Intent was issued to M/s. Uttar Pradesh Coop. Sugar Factories Federation Ltd. for the establishment of a new sugar factory of 2500 TCD at Jewar, Teh. Khurja, Distt. Bulandshar on 16.10.1989. Progress made towards the implementation of this project is not available as it has not yet been submitted by the aforesaid Federation. As regard funds utilised so far, this information would be available with the State Government of Uttar Pradesh.

मुद्रा स्फीति दर

2712. **श्री बलराम सिंह यादव :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आम मूल्य वृद्धि की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से मुद्रा स्फीति की दर पर काबू पाने के लिए गत कुछ महीनों में अनेक कदम उठाए थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस वर्ष जून के महीने के दौरान मुद्रा स्फीति की दर गत-वर्ष इसी अवधि की 6.3 प्रतिशत की दर की तुलना में बढ़कर 8.6 प्रतिशत हो गयी है, जो कि पिछले वर्ष से अधिक है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल) : (क) से (ग) सरकार मुद्रास्फीति को रोकने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देती है और उसने मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए अनेक उपाय किए हैं। इन उपायों में बजट घाटे में कमी करना, सरकारी खर्च में कड़ी किफायत बरतना, सार्वजनिक वितरण के लिए आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त सप्लाई बनाए रखना, जमाखोरों तथा कालाबाजारियों के विरूद्ध कार्यवाही करना आदि शामिल है।

30-6-90 की स्थिति के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक (बिन्दु-दर-बिन्दु आधार पर) के रूप में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि के 5.6 प्रतिशत की तुलना में 9.0 प्रतिशत थी। तथापि, 11-8-90 की स्थिति के अनुसार मुद्रास्फीति की वार्षित दर घट कर 7.4 प्रतिशत रह गई है जबकि गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि में यह दर 8.0 प्रतिशत थी।